

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY



September 2026
NEWSPAPER CLIPPINGS

भारतीय महिला टीम ने दो दिन में दागे 36 गोल

काकामिगाहारा, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की गोल वर्षा जारी है। पहले मैच में 19 गोल दागने वाली टीम ने सोमवार को एशियाई खेलों के दूसरे मुकाबले में अपनी स्टिक का कमाल दिखाते हुए 17 गोल कर दिए। टीम ने दो दिन में कुल 36 गोल दाग दिए।

लगातार दूसरी जीत: ड्रैगप्लिकर दीपिका, फॉरवर्ड रुतुजा पिसाल और नवनीत कौर की हैट्रिक टीम ने इंडोनेशिया को 17-1 से हराकर लगातार दूसरी धमाकेदार जीत दर्ज की। भारतीय टीम अब बुधवार को थाईलैंड का सामना करेगी। टीम ने अब तक सिर्फ एक गोल गंवाया है।

तीन हैट्रिक: भारतीय खिलाड़ियों ने इंडोनेशिया के अनुभवहीन डिफेंस का पूरा फायदा उठाते हुए लगातार गोल दागे। दीपिका (8वें, 28वें, 40वें मिनट) ने अपने तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। रुतुजा ने (15वें, 20वें, 38वें मिनट) और नवनीत ने (35वें, 56वें, 57वें मिनट) में गोल दागे।

तीन के दो गोल: सुनेलिता टोप्पो (11वें, 30वें मिनट), लालरेमसियामी (12वें, 16वें मिनट) और साक्षी राणा (25वें, 57वें मिनट) ने दो-दो जबकि कप्तान सलीमा टेटे (35वें मिनट) और इशिका चौधरी (36वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। इंडोनेशिया के लिए इनेस ने 32वें मिनट में गोल किया।



जापान के काकामिगाहारा में सोमवार को इंडोनेशिया पर 17-1 की बड़ी जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती भारतीय खिलाड़ी। दीपिका टूर्नामेंट में 11 गोल कर चुकी हैं। • एजेंसी

सविता ने वंदना का रिकॉर्ड ध्वस्त किया

काकामिगाहारा। भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली गोलकीपर सविता पूनिया भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने 321वां मुकाबला खेलते ही वंदना कटारिया (320) का रिकॉर्ड तोड़ा। हॉकी इंडिया ने इस उपलब्धि पर उनके लिए दस लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। उन्होंने कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बनूंगी। उम्मीद है कि युवा लड़कियों को सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित कर सकूंगी। तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गईं सविता ने 2009 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

ईंधन बचाएगा पानी-केरोसिन वाला चूल्हा

छोटी बात, बड़ा फ़र्क़

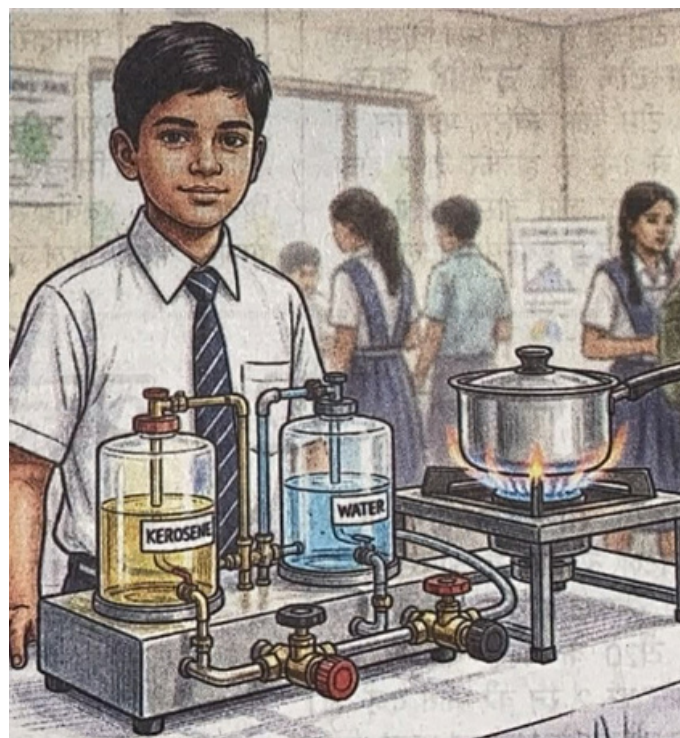
मध्य प्रदेश के देवसर के 11वीं कक्षा के छात्र व्यासजी मिश्र ने स्कूल के साइंस एग्जीबिशन में पानी और केरोसिन से चलने वाले एक अनोखे हाइब्रिड चूल्हे का प्रोटोटाइप तैयार किया। इस आविष्कार के लिए उन्हें सम्मानित किया गया है।

भाई ने दिया आइडिया

ऐसा चूल्हा बनाने का विचार व्यास के भाई पवनजी मिश्र को आया। दोनों भाइयों ने 6 महीने में इसका प्रोटोटाइप तैयार किया। इसमें दो टैंक हैं, जिनमें केरोसिन और पानी भरा जाता है। एक बर्नर और तीन रेगुलेटर हैं इसमें। पहले केरोसिन से बर्नर गर्म किया जाता है। फिर केरोसिन और पानी की मिश्रित भाप से आग जलती रहती है।

केरोसिन की बचत

इस चूल्हे से रोजमर्रा के जीवन में बदलाव की उम्मीद है। IIT गुवाहाटी के परीक्षण में पता चला कि यह पारंपरिक चूल्हों के मुकाबले करीब 20% तक केरोसिन बचाता है। कम धुआं होने से यह केरोसिन पर निर्भर परिवारों के लिए उपयोगी हो सकता है। कांच, खिलौना फैक्ट्रियों और छोटी इकाइयों में भी इस्तेमाल संभव है।



मिक्स्ट रिले टीम चांदी लाई

□ एजेसियां, नागोया: भारत ने गुरुवार को एशियन गेम्स की 4X400 मीटर मिक्स्ट रिले में सिल्वर मेडल जीता, जबकि सीमा कुमारी ने विमिस 10 हजार मीटर दौड़ के फाइनल में देश को ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल दिलाया पूर्वम्मा राजू, विशाल थेन्नारासु, विथ्या रामराज और मनु टीएस की चौकड़ी ने तीन मिनट 14.46 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। इसके साथ ही भारत ने 2023 के हांगझोउ एशियन गेम्स में जीता अपना सिल्वर मेडल को बरकरार रखा।

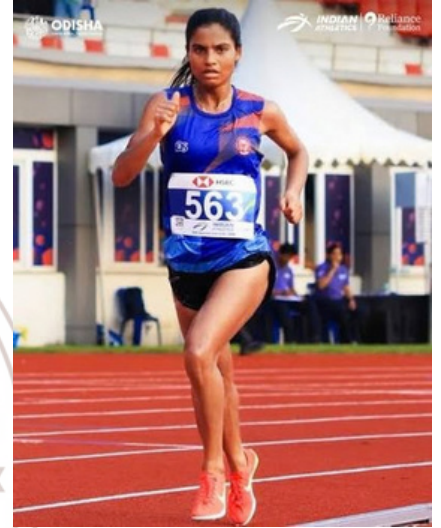


एथलेटिक्स

विथ्या की अहम भूमिका: विथ्या ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को सिल्वर मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई। विथ्या देश की प्रमुख 400 मीटर धाविकाओं और 400 मीटर बाधा दौड़ की खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने रिले टीम में भी महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। तमिलनाडु की रहने वाली विथ्या 400 मीटर बाधा दौड़ में अपनी व्यक्तिगत क्षमता के साथ 4x400 मीटर रिले का महत्वपूर्ण अनुभव भी रखती है। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में 400 मीटर बाधा दौड़ में 55.42 सेकंड के समय के साथ भारतीय नैशनल रेकॉर्ड की बराबरी कर बड़ी उपलब्धि हासिल की थी।

दस हजार में सीमा भी छाई

इससे पहले सीमा ने विमिस 10 हजार मीटर स्पर्धा में 32 मिनट 50.05 सेकंड का समय निकाल कर एथलेटिक्स BORNAN में भारत को पहला मेडल दिलाया। इस दौड़ में बहरीन की विनफ्रेड यावी ने 32 मिनट 39.18 सेकंड का समय लेकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि जापान की नोजोमी तनाका (32:41.54) ने सिल्वर जीता। हिमाचल प्रदेश की लंबी दूरी की धाविका सीमा ने इस साल मार्च में कैलिफोर्निया में आयोजित 'द टेन' प्रतियोगिता में 10 हजार मीटर दौड़ में 32 मिनट 2.43 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।



गुरिंदरवीर, कुजूर सेमी में पहुंचे

भारत के नैशनल रेकॉर्ड होल्डर गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर ने गुरुवार को मेंस 100 मीटर स्पर्धा के अपने-अपने हीट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। कुजूर ने हीट-1 में 10.36 सेकंड का समय निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं गुरिंदरवीर सिंह ने हीट-4 में 10.38 सेकंड के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। दोनों अपने-अपने हीट में टॉप-3 में रहने के कारण सीधे सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर गए। प्रत्येक हीट के टॉप-3 धावक सीधे सेमीफाइनल में पहुंचे, जबकि सभी हीट्स से अगले छह सबसे तेज धावकों को भी सेमीफाइनल का टिकट मिला।

4 सिल्वर के साथ एक दिन में 7 मेडल

□ पीटीआई, नागोया (जापान)

एशियन गेम्स में रविवार को भारत का दिन शानदार रहा। एक के बाद एक 7 पदक जीते, जिनमें 4 चांदी और 3 कांस्य पदक शामिल हैं। अभय सिंह और अनाहत सिंह ने स्क्वॉश में, सर्वेश कुशारे ने मेस हाई जंप में और लंबी कूद में सी सोजन ने सिल्वर मेडल जीता। हरिता भद्रा ने महिला 200 मीटर दौड़ में 23.20 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज जीता। पारुल चौधरी ने महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में 9:08.67 के पर्सनल बेस्ट के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।



मेडल टेबल

तीन और मेडल हो
गए पक्के:

बॉक्सिंग में अंकुश पंधाल और परवीन ने क्वार्टर फाइनल जीतकर 2 और हुड्डा मेडल पक्के कर लिए हैं। नरेंद्र बेरवाल ने भी बॉक्सिंग में मेडल पक्का किया।

स्क्वॉश में

अभय सिंह और अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल जीता।

रैंक देश	G	S	B	T
1. चीन	119	48	38	205
2. जापान	37	62	58	157
3. द. कोरिया	21	23	39	83
12 भारत	4	16	17	37



मेस हाई जंप में

सर्वेश कुशारे ने सिल्वर मेडल हासिल किया। उन्होंने 2.25 मीटर की बेस्ट जंप की।

वनडे में विराट कोहली का 55वां शत

वनडे इंटरनैशनल में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ खेलते हुए विराट कोहली ने 15 हजार रन पूरे किए। सचिन तेंदुलकर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले इतिहास के दूसरे बल्लेबाज हैं। अक्टूबर 2025 में श्रीलंका के कुमार संगकारा (14,243 रन) को पीछे छोड़ा था। कोहली के नाम वनडे में सर्वाधिक 55 शतक का रिकॉर्ड भी है।

रन
139**
बॉल
88
फोर
10
सिक्स



हिमालय क्षेत्र में बदहाल बुग्यालों को बचाना होगा

उत्तराखंड के हिमालय क्षेत्र में वृक्ष कवच है। निचले इलाकों में बहती रेखा और हिमरेखा के बीच की खूबसूरत जलधाराओं के प्रमुख स्रोत भी बुग्याल हैं। भौगोलिक संरचनाएं 'बुग्याल' कहलाती जाड़ों में बर्फ से ढके ये मैदान मई में बर्फ है। 10 से 13 हजार पिघलने पर घास, औषधियों और फूलों फीट की ऊंचाई पर से निखर उठते हैं। पशुचारण, पर्यटन, मीलों तक फैले हरी ट्रैकिंग और धार्मिक-सांस्कृतिक यात्राओं मखमली घास के ये के लिहाज से भी इनका खासा महत्व है। मैदान आज कुदरत वन विभाग के अनुसार, उत्तराखंड के छह और इंसानी कारणों से जिलों में 11 से 13 हजार फीट की ऊंचाई व्योमश चन्द्र संकट में है। संकट का पर कुल 78 बुग्याल है। वेदनी, आली, जुगरान अंदाजा इससे लगाया दयारा और पंवालीकांठा प्रमुख है। ये जा सकता है कि टिहरी अंतिम मोटर मार्ग से औसतन 18 से 25 जिले के सबसे बड़े बुग्याल पंवालीकांठा किमी दूर है। में भू-क्षरण की गति पिछले दो साल में करीब डेढ़ गुना बढ़ गई है। यह जानकारी अध्ययन, पशुचारकों, वनकर्मियों और ग्रामीणों से बातचीत में सामने आई। बुग्याल में गड्ढे और गहरी दरारें तेज बारिश और कम जलधारण क्षमता के लक्षण है। इससे उपजाऊ मिट्टी, अनूठी बुग्गी घास, वनस्पति और दुर्लभ जड़ी-बूटियों का अस्तित्व खतरे में है।



13 हजार फीट पर 78 बुग्याल बुग्याल उच्च हिमालयी क्षेत्र में जैव विविधता और मृदा संरक्षण के कुदरती ग्लेशियरों पर मौसमी बदलावों का असर अब वैज्ञानिक सच्चाई बन चुका है। ग्लेशियरों के साए में पलते बुग्याल भी इससे अछूते नहीं। हाल में चंडी प्रसाद भट्ट पर्यावरण एवं विकास केंद्र, गोपेश्वर के दल ने 12 हजार फीट की ऊंचाई पर पंवालीकांठा पहुंचकर जैव विविधता और पारिस्थितिक बदलावों का अध्ययन किया। वर्षाचक्र में गड़बड़ी, भूस्खलन, बादल फटना, ग्लेशियरों से मलबा, परागण करने वाले कीटों का लुप्त होना, मानवीय हस्तक्षेप और अनियंत्रित पशुचारण से बुग्याल संकट में है। भू-कटाव रोकने आर.एन.आई.नं. 510/570 सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति के बिना संपूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णतः प्रतिबंधित। यह समाचारपत्र स्वत्वाधिकारी बनेट कोलमैन कम्पनी हालांकि, कुछ लोग बुग्यालों के संरक्षण में मानवीय हस्तक्षेप को सकारात्मक मानते हैं। उनके अनुसार, पशुचारण से बुग्यालों को गोड़ाई, खाद और बीज संचरण जैसे स्वाभाविक लाभ मिलते हैं। उनका मानना है कि अतिशय पर्यटन की चिंता बुग्यालों के बजाय हिमालयी तीर्थस्थलों पर बढ़ते दबाव से जुड़ी है। केदारनाथ और त्रियुगीनारायण में 2,000 की क्षमता के मुकाबले प्रतिदिन 5,000 यात्री वाहनों के साथ पहुंच रहे हैं। वाहन प्रदूषण से पारंपरिक उपज और जैविक संपदा प्रभावित के लिए बिछाए गए जूट और नारियल के हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, भौरे, जाल भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तितलियां और अन्य परागणकारी कीट लुप्त हो रहे हैं। फसलों, फलों और सब्जियों में परागण घटने से फफूंद लग रही है। 'बुग्याल संरक्षण' में बफर क्षेत्र की बस्तियों और उनकी चिंताओं को शामिल करना जरूरी है। समुदायों को प्रमुख हितधारक बनाकर उनके पारंपरिक ज्ञान का लाभ लिया जाए।

कैंपिंग की बजाय सतत पर्यटन को बढ़ावा मिले। अनुपयोगी है पशुओं के लिए अलग बाड़े बनें। धार्मिक- सांस्कृतिक मॉडल से दोहन सीमित हो और शोध संस्थानों की मदद से डेटाबेस तैयार किया जाए।

पारंपरिक ज्ञान का लाभ वन विभाग के मुताबिक, अतिशय पर्यटन, कैंपिंग, पशुचारण और भारी खुरों वाले जानवर बुग्यालों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अनुपयोगी पशुओं को यहां छोड़ने का चलन बढ़ रहा है। पंवालीकांठा में करीब 200 गाय-बैल और भैंस हैं। गूजर समुदाय भी दर्जनों भैंस और घोड़े - खच्चरों के साथ यहां रहता है। जानवरों के खुर और घोड़े खच्चरों की लोहे की नाल बुग्याल को नुकसान पहुंचा रही है।

भारत ने बांग्लादेश को 10-0 से रौंदा

काकामिगाहारा, एजेंसी । भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में अपना अजेय फॉर्म बरकरार रखते हुए सोमवार को पूल ए के आखिरी ग्रुप मैच में बांग्लादेश को 10-0 से हराया । भारत पूल ए में शीर्ष पर रहा और अब एक अक्टूबर को सेमीफाइनल में सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (27वां, 40वां और 45वां मिनट), शिलानंद लाकड़ा (44वां और 45वां) ने दो दो गोल किए जबकि र अभिषेक (तीसरा मिनट), जुगराज र सिंह (22वां), सुखजीत सिंह इ (32वां), संजय (59वां) और मनदीप सिंह (60वां) ने एक एक गोल में दागा। भारत ने इससे पहले इंडोनेशिया थ को 13-1, दक्षिण कोरिया को 8-2, ग सिंगापुर को 7-0 और जापान को 2-0 -1 से हराया था ।

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पारी से पीटा

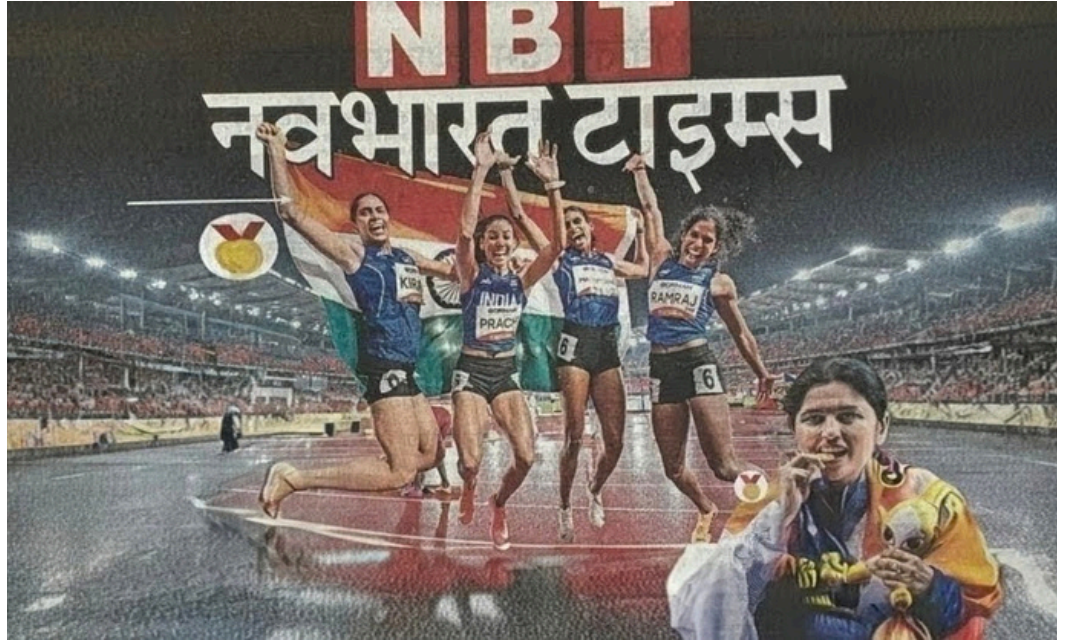
क्रिकेट

राजकोट, एजेंसी । लक्ष्य रायचंदानी के दोहरे शतक के बाद गेंदबाजों के को शानदार प्रदर्शन से भारत अंडर-19 ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 न टीम को पहले युवा टेस्ट में पारी और 48 रन से शिकस्त दे दी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ला पहली पारी में 217 रन पर सिमट गई थी ने जिसमें ब्लेक कैटल ने 102 रन बनाए । जवाब में भारतीय टीम ने 494 रन बनाए जिसमें रायचंदानी ने 240 और मोहित उलवा ने 92 रन की पारी खेली। दोनों ने नौवें विकेट के लिए 180 रन जोड़े। भारत के पास पहली पारी के आधार पर 277 रन की बड़ी बढ़त थी और ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में ब्लेक कैटल के 123 रन के बावजूद 229 रन पर आउट हो गया।

भारत की ओर से गेंदबाज ईशान ओम ने पहली पारी में पांच और दूसरी में चार और यशवर्धन ने क्रमशः दो और छह विकेट चटकाए।

एथलीट बोलीं- हमने कर दिखाया

किरण पहल, एम आर पूवम्मा, प्राची चौधरी और विध्या रामराज ने शानदार प्रदर्शन किया। आखिरी चरण की शुरुआत में भारत तीसरे स्थान पर था, लेकिन विध्या ने चीन की जुओ सियू और बहरीन की सलवा नासिर को पछाड़ा। प्राची ने कहा, हर कोई कह रहा था कि एथलेटिक्स में स्वर्ण नहीं मिलेगा, लेकिन हमने ठान रखा था, हमने वह कर दिखाया।



एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण

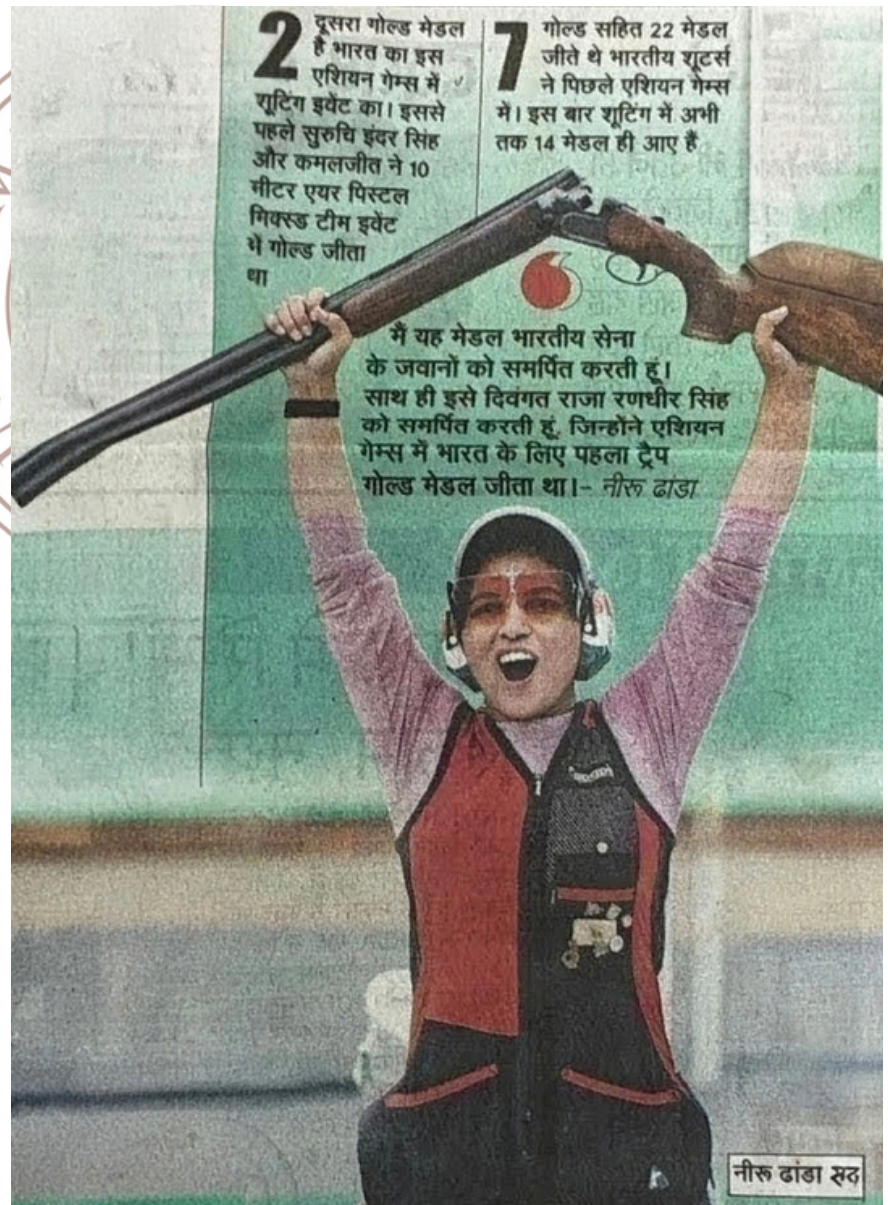
एशियन गेम्स में 10वें दिन दो गोल्ड समेत भारत ने जीते 8 पदक

नीरू ढांडा ने विमिंस ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल जीता

एशियन गेम्स 2026 की एथलेटिक्स स्पर्धा के आखिरी दिन भारतीय महिला 4x400 मीटर रिले टीम ने ऐसा फरफटा भरा कि मिजुहो पार्क एथलेटिक्स स्टेडियम में तिरंगा लहराया और राष्ट्रगान गूंज उठा। किरण पहल, एमआर पूवम्मा, प्राची चौधरी और विध्या रामराज की चौकड़ी ने 3 मिनट 29.69 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह एथलेटिक्स में भारत को मौजूदा खेल में पहला स्वर्ण पदक है। वहीं, नीरू ढांडा ने विमिंस ट्रैप शूटिंग में गोल्ड जीता। 10 दिन पहले फ्लू की वजह से अस्पताल में भर्ती रही नीरू इस इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। नीरू ने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ मिलकर विमिंस ट्रैप टीम को भी रजत पदक दिलाया। नरेंद्र बेरवाल को 90 किलोग्राम से अधिक वर्ग में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। 10वें दिन भारत ने 8 मेडल जीते। शेष पेज 11 पर

ऐतिहासिक गोल्ड पर लगा नीरू का सटीक निशाना

□ एजेंसियां, नागोया: महज 10 दिन पहले तेज फ्लू और 'एच1एन1' की आशंका के चलते नीरू ढांडा भोपाल के अस्पताल में भर्ती थीं। वह पांच दिनों तक कुछ खा नहीं सकी थीं। एशियन गेम्स में उनकी भागीदारी को लेकर तस्वीर धुंधली हो गई थी। हालांकि, नीरू एशियन गेम्स में भाग लेने पहुंची और रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया। नीरू एशियन गेम्स की विमिंस ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय शूटर बनीं। उन्होंने भारत के लिए स्वर्ण जीतने के दौरान फाइनल में 30 में से 28 निशाने साधकर नया एशियन रिकॉर्ड भी कायम किया। इससे पहले कोई भारतीय महिला ट्रैप या स्कीट शूटर एशियन गेम्स की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक नहीं जीत सकी थी। खत्म हुआ 48 साल का इंतजार: नीरू ने इस गोल्ड के साथ ही उन्होंने महाद्वीपीय खेलों में भारत के व्यक्तिगत ट्रैप गोल्ड के लिए 48 साल का इंतजार खत्म किया। इससे पहले 1978 में रणधीर सिंह ने मेंस ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को गोल्ड दिलाया था, जबकि 2010 में रॉजन सोढ़ी ने मेंस डबल ट्रैप में व्यक्तिगत स्वर्ण जीता था। भारतीय सेना में नायब सूबेदार नीरू ने चीन की सुन युनॉंग (26) और कुवैत की अब्दुलमलिक हाजर (21) को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। बारिश से प्रभावित शूटिंग रेंज में दृश्यता बेहद कम थी, जिससे उड़ते हुए 'क्ले' लक्ष्यों को देखना मुश्किल हो रहा था। नीरू ने खराब परिस्थितियों में अपना धैर्य बनाए रखा और लगातार सटीक निशाने साधे।



टीम इवेंट में सिल्वर भी

हरियाणा के जींद की 26 वर्षीय नीरू ने इसी स्पर्धा की टीम प्रतियोगिता में आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ मिलकर सिल्वर मेडल भी जीता। फाइनल से पहले नीरू ने शुरुआती चार क्वालिफिकेशन राउंड में 100 में से 95 निशाने साधकर शीर्ष स्थान हासिल किया था। उनका कुल स्कोर 118 रहा और यही स्कोर टीम स्पर्धा में भी शामिल किए गए। नीरू (118), आशीमा अहलावत (106) और मनीषा कीर (104) की भारतीय टीम ने कुल 328 अंक के साथ सिल्वर मेडल जीता। चीन की लियू शानशान, सुन नॉंग और झूजिंग्यू की टीम ने 346 अंक के साथ गोल्ड, जबकि कुवैत की टीम ने 325 अंक के साथ ब्रॉन्ज जीता। व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में आशीमा अहलावत 16वें और मनीषा कीर 23वें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह नहीं बना सकीं।